OPEN ACCESS

DRA ANNUAL INTERNATIONAL CONFERENCE 2024 ON "SOCIO-ECONOMIC TRANSFORMATION: OPPORTUNITIES AND CHALLENGES"

Int. Jr. of Contemp. Res. in Multi. *PEER-REVIEWED JOURNAL* *Volume 4 [Special Issue 1] Year 2025*

IJCRM International Journal of Contemporary Research In Multidisciplinary

Conference Paper

राजस्थान में ग्रामीण–नगरीय जनसांख्यिकीय द्विभाजन का विश्लेषणात्मक अध्ययन

भगवान सिंह [1]*, डॉ. आलोक श्रीवास्तव [2]

[1] शोधार्थी, भूगोल विभाग, राजकीय महाविद्यालय, बूंदी, राजस्थान

[2] शोध पर्यवेक्षक, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा विभाग, जयपुर, राजस्थान

Corresponding Author: *भगवान सिंह

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.18075532

सारांश

जनसांख्यिकी में मानव आबादी का सांख्यिकीय अध्ययन किया जाता है। ग्रामीण–नगरीय जनसांख्यिकीय द्विभाजन में जनसंख्या के वितरण, घनत्व, साक्षरता, लिंगानुपात, आर्थिक गतिविधियाँ एवं व्यावसायिक संरचना, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति का वितरण, बाल जनसंख्या, प्रवास, जनसंख्या में दशकीय परिवर्तन आदि तत्वों का विश्लेषण ग्रामीण एवं नगरीय संदर्भ में किया जाता है। प्रस्तुत शोध कार्य में राजस्थान की ग्रामीण–नगरीय जनसांख्यिकीय द्विभाजन का विश्लेषणात्मक अध्ययन 2011 की जनगणना को आधार मानकर किया गया है। शोध कार्य में वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध विधियों का प्रयोग किया गया है। शोध कार्य का उद्देश्य राजस्थान के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय द्विभाजन के विभिन्न तत्त्वों का विश्लेषण करना है। राजस्थान की कुल जनसंख्या जनगणना 2011 के अनुसार 6,85,48,437 है, जिसमें से ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या का अनुपात क्रमशः 75.1% एवं 24.9% है, जो यह स्पष्ट करता है कि राज्य में जनसंख्या का ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक संकेन्द्रण है। राज्य का जनसंख्या घनत्व 200 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, परंतु ग्रामीण क्षेत्र कम सघन बसे हुए हैं, जबकि नगरीय क्षेत्र अधिक सघन बसे हुए हैं। राज्य में ग्रामीण–नगरीय साक्षरता दर में पर्याप्त अंतर है, जहाँ नगरीय साक्षरता दर 79.7% है, वहीं ग्रामीण साक्षरता दर मात्र 61.4% है। राज्य में ग्रामीण लिंगानुपात (933), नगरीय लिंगानुपात (914) की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक है। विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि राजस्थान के ग्रामीण–नगरीय क्षेत्रों में जनसंख्या वितरण, घनत्व, साक्षरता, लिंगानुपात, आर्थिक गतिविधियाँ, व्यावसायिक संरचना, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति का वितरण, बाल जनसंख्या, प्रवास तथा दशकीय परिवर्तन जैसे जनसांख्यिकीय तत्त्वों में स्पष्ट एवं गहन अंतर विद्यमान है।

Manuscript Information

- **ISSN No:** 2583-7397
- **Received:** 12-12-2024
- **Accepted:** 27-02-2025
- **Published:** 05-03-2025
- **IJCRM:**4(SP1); 2025: 216-222
- **©2025, All Rights Reserved**
- **Plagiarism Checked:** Yes
- **Peer Review Process:** Yes

How to Cite this Article

भगवान सिंह, आलोक श्रीवास्तव. राजस्थान में ग्रामीण–नगरीय जनसांख्यिकीय द्विभाजन का विश्लेषणात्मक अध्ययन . Int J Contemp Res Multidiscip. 2025;4(SP1):216-222.

Access this Article Online

www.multiarticlesjournal.com

मुख्य शब्दः ग्रामीण–नगरीय द्विभाजन, जनसांख्यिकी, जनसंख्या, लिंगानुपात, साक्षरता, प्रवास।

© 2025 भगवान सिंह, डॉ. आलोक श्रीवास्तव. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

प्रस्तावना

राजस्थान उत्तर–पश्चिम भारत में स्थित एक सीमावर्ती राज्य है। क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है तथा जनगणना 2011 के अनुसार यह आठवाँ सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य है। राजस्थान के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों के बीच स्पष्ट जनसांख्यिकीय विभाजन दृष्टिगोचर होता है। राज्य की 75.1% जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 24.9% जनसंख्या नगरीय क्षेत्रों में निवास करती है। प्रस्तुत शोधपत्र में राजस्थान के ग्रामीण–नगरीय द्विभाजन को दर्शाने वाली जनसांख्यिकीय प्रवृत्तियों जैसे—जनसंख्या का वितरण, साक्षरता, लिंगानुपात, घनत्व, प्रवास, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या, बाल जनसंख्या आदि का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र

प्रस्तुत शोधपत्र भारत के उत्तर–पश्चिम में स्थित राजस्थान राज्य पर केन्द्रित है। राजस्थान पश्चिम में पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा बनाता है। राजस्थान की उत्तरी और उत्तरी–पूर्वी सीमा पंजाब तथा हरियाणा से, पूर्वी सीमा उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश से, दक्षिण–पूर्वी और दक्षिणी सीमा मध्य प्रदेश से एवं दक्षिण–पश्चिमी सीमा गुजरात से संयुक्त है। राज्य का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 3,42,239.74 वर्ग किलोमीटर है। राजस्थान 23°3′ उत्तरी अक्षांश से 30°12′ उत्तरी अक्षांश तथा 69°30′ पूर्वी देशांतर से 78°17′ पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है। अध्ययन क्षेत्र भू–आकृतिक दृष्टि से थार मरुस्थल, प्रायद्वीपीय पठार तथा उत्तर के विशाल मैदान का हिस्सा है। राजस्थान उष्ण एवं उपोष्ण कटिबंध में स्थित है, जिसमें मुख्यतः शुष्क एवं अर्द्ध–शुष्क जलवायु की प्रधानता पाई जाती है।

मानचित्र 1 : राजस्थान राज्य (अवस्थिति मानचित्र)

उद्देश्य

प्रस्तुत शोध अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्य निहित हैं –

1. राजस्थान के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय द्विभाजन के विभिन्न तत्त्वों का विश्लेषण करना।
2. राजस्थान के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय द्विभाजन के अंतर को कम करने हेतु नीतिगत सिफारिशें प्रस्तुत करना।

शोध विधितंत्र एवं आँकड़ों का स्रोत –

प्रस्तुत शोध कार्य में द्वितीयक आँकड़ों का प्रयोग किया गया है तथा वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध विधियों का उपयोग कर आँकड़ों से उपयुक्त निष्कर्ष निकाले गए हैं। राजस्थान में ग्रामीण–नगरीय जनसांख्यिकीय द्विभाजन से संबंधित आँकड़े भारत की जनगणना 2011 तथा आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, राजस्थान, जयपुर से प्राप्त किए गए हैं। आँकड़ों को प्रदर्शित करने हेतु कंप्यूटर ग्राफिक्स विधियों का प्रयोग किया गया है।

© 2025 भगवान सिंह, डॉ. आलोक श्रीवास्तव. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

साहित्य समीक्षा

हेमंत त्रिवेदी (2018) ने राजस्थान में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में प्रवास के कारणों का लिंग आधारित अध्ययन किया। अध्ययन में यह पाया गया कि ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में प्रवास के कारणों में महत्वपूर्ण अंतर है तथा यह भिन्नता लिंग के आधार पर भी परिवर्तित होती रहती है। डॉ. रेणु सांगवान (2013) ने राजस्थान की ग्रामीण जनसंख्या के वितरण एवं आवास प्रतिरूप का भू-स्थानिक अध्ययन किया। अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि राजस्थान में जनसंख्या घनत्व में भिन्नता स्थलाकृति, जलवायु तथा प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता जैसे कारकों से प्रभावित होती है। ग्रामीण राजस्थान में बस्तियों का प्रतिरूप गुच्छित एवं बिखरा हुआ पाया गया, जो जल स्रोतों, कृषि व्यवहार्यता एवं परिवहन जाल द्वारा निर्धारित होता है। एम. के. भसीन एवं शांपा नागर (2007) ने राजस्थान की अनुसूचित जनजातियों (भील, मीणा, सहरिया, गरासिया, कथोड़ी, डामोर) की जनसांख्यिकी का अध्ययन किया। शोधपत्र में जनसंख्या संरचना, आर्थिक, सामाजिक–सांस्कृतिक एवं भौतिक विवरण प्रस्तुत किया गया है। डॉ. जुबेर खान, डॉ. संदीप यादव एवं डॉ. निकिता मंगल (2021) ने हाड़ौती प्रदेश की ग्रामीण– नगरीय जनसंख्या वृद्धि में स्थानिक परिवर्तनों का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया। अध्ययन से यह ज्ञात हुआ कि 1971–2011 के मध्य सम्पूर्ण क्षेत्र की ग्रामीण एवं नगरीय आबादी की वृद्धि दर में परिवर्तन आया।

राजस्थान : ग्रामीण–नगरीय जनसांख्यिकीय द्विभाजन

1. जनसंख्या का वितरण एवं घनत्व –

जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान की कुल जनसंख्या 6,85,48,437 है। कुल जनसंख्या में से ग्रामीण जनसंख्या 5,15,00,352 तथा नगरीय जनसंख्या 1,70,48,085 है, जो कि कुल जनसंख्या के 75.1% ग्रामीण एवं 24.9% नगरीय जनसंख्या को प्रदर्शित करता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि राजस्थान एक ग्रामीण प्रधान राज्य है। कुल जनसंख्या में पुरुष जनसंख्या का ग्रामीण एवं नगरीय अनुपात क्रमशः 74.9% एवं 25.1% है, जबकि महिला जनसंख्या का ग्रामीण एवं नगरीय अनुपात क्रमशः 75.3% एवं 24.7% है। इससे यह संकेत मिलता है कि राजस्थान के नगरों में पुरुष जनसंख्या अधिक है, जो कि पुरुषों के ग्रामीण–नगरीय प्रवास का परिणाम है।

तालिका 1: राजस्थान की जनसंख्या

Total Population	Absolute	Percentage
Total		
Persons	68548437	100.0
Rural	51500352	75.1
Urban	17048085	24.9
Male		
Total	35550997	100.0
Rural	26629001	74.9
Urban	8921996	25.1
Female		
Total	32997440	100.0
Rural	24858605	75.3
Urban	8138835	24.7

Source – https://rajasthan.gov.in/pages/sm/department-page/149121/930

2011 की जनगणना के अनुसार राज्य का जनसंख्या घनत्व 200 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। जबकि 2001 की जनगणना के अनुसार राज्य का जनसंख्या घनत्व 165 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था। इस प्रकार 2001 से 2011 के मध्य राज्य में जनसंख्या घनत्व में 35 अंकों की वृद्धि हुई। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या घनत्व अपेक्षाकृत कम पाया जाता है, जबकि नगरीय क्षेत्र अधिक सघन बसे हुए हैं। इसका प्रमुख कारण नगरीय क्षेत्रों में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता है।

2. बाल जनसंख्या –

बाल जनसंख्या में 0–6 वर्ष आयु वर्ग की जनसंख्या को सम्मिलित किया जाता है। राज्य में कुल बाल जनसंख्या 1,06,49,504 है, जो कि कुल जनसंख्या का 15.5% है। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में बाल जनसंख्या का वितरण क्रमशः 84,14,883 तथा 22,34,621 है।
ग्रामीण बाल जनसंख्या कुल ग्रामीण जनसंख्या का 16.3% तथा नगरीय बाल जनसंख्या कुल नगरीय जनसंख्या का 13.1% भाग है। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में बाल जनसंख्या का उच्च अनुपात अधिक जनसंख्या वृद्धि को प्रदर्शित करता है।

तालिका 2: राजस्थान की बाल जनसंख्या

Child Population	Absolute	Percentage
Total		
Persons	10649504	15.5
Rural	8414883	16.3
Urban	2234621	13.1
Male		
Persons	5639176	15.9
Rural	4446599	16.7
Urban	1192577	13.4
Female		
Persons	5010328	15.2
Rural	3968284	16.0
Urban	1042044	12.8
Sex Ratio	888	
Rural	892	
Urban	874	

Source – https://rajasthan.gov.in/pages/sm/department-page/149121/930

© 2025 भगवान सिंह, डॉ. आलोक श्रीवास्तव. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

3. साक्षरता

राजस्थान में 2011 की जनगणना के अनुसार कुल साक्षरता दर 66.1% है। राज्य में ग्रामीण एवं नगरीय साक्षरता दर क्रमशः 61.4% तथा 79.7% है। इससे यह स्पष्ट होता है कि राजस्थान में साक्षरता का स्तर ग्रामीण क्षेत्रों में नगरीय क्षेत्रों की तुलना में काफी कम है। राज्य में पुरुष साक्षरता दर ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में क्रमशः 76.2% एवं 87.9% है, जबकि महिला साक्षरता दर क्रमशः 45.8% एवं 70.7% है। इससे यह स्पष्ट होता है कि राज्य में पुरुष–महिला साक्षरता दर में पर्याप्त अंतर विद्यमान है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में और अधिक गंभीर रूप ले लेता है। अतः सरकार को ग्रामीण महिला साक्षरता दर में वृद्धि हेतु विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है, जिससे लैंगिक असमानता को कम किया जा सके।

तालिका 3: राजस्थान की ग्रामीण–नगरीय साक्षरता

Literates	Absolute	Percentage
Total		
Persons	38275282	66.1
Rural	26471786	61.4
Urban	11803469	79.7
Male		
Persons	23688412	79.2
Rural	16904389	76.2
Urban	6783823	87.9
Female		
Persons	14586870	52.1
Rural	9567197	45.8
Urban	5019673	70.7

Source – https://rajasthan.gov.in/pages/sm/department-page/149121/930

4. लिंगानुपात

2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान का कुल लिंगानुपात 928 है। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में लिंगानुपात क्रमशः 933 एवं 914 है। नगरीय क्षेत्रों में कम लिंगानुपात का मुख्य कारण रोजगार की तलाश में ग्रामीण पुरुष जनसंख्या का नगरों की ओर प्रवास है। राज्य में बाल लिंगानुपात 888 है, जो ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में क्रमशः 892 एवं 874 पाया गया है। ग्रामीण एवं नगरीय दोनों क्षेत्रों में बाल लिंगानुपात का निम्न स्तर एक गंभीर सामाजिक चिंता का विषय है। अतः सरकार को बाल लिंगानुपात में सुधार हेतु विशेष योजनाएँ एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से लागू करने की आवश्यकता है।

तालिका 4: राजस्थान का ग्रामीण–नगरीय लिंगानुपात

Category	Total	Rural	Urban
Total Sex Ratio	928	933	914
Child Sex Ratio	888	892	874

Source – https://rajasthan.gov.in/pages/sm/department-page/149121/930

7. श्रमिक बल

राजस्थान में जनगणना 2011 के अनुसार कुल श्रमिकों की संख्या 2,98,86,255 (43.77%) है। इनमें से ग्रामीण क्षेत्रों में 2,43,85,233 (35.57%) तथा नगरीय क्षेत्रों में 55,01,022 (8.20%) श्रमिक निवास करते हैं।

तालिका 7: राजस्थान में कुल, मुख्य एवं सीमांत श्रमिक कुल श्रमिक

Total Workers	Absolute	Worker Participation Rate (%)
Total		
Persons	29886255	43.6
Rural	24385233	47.3
Urban	5501022	32.3
Male		
Persons	18297076	51.5
Rural	13775469	51.7
Urban	4521607	50.8
Female		
Persons	11589179	35.1
Rural	10609764	42.7
Urban	979415	12.0

मुख्य श्रमिक

Main Workers	Absolute	Percentage of Total Workers
Total		
Persons	21057968	70.5
Rural	16173343	66.3
Urban	4884625	88.8
Male		
Persons	15243537	83.3
Rural	11069873	80.4
Urban	4173700	92.3
Female		
Persons	5814431	50.2
Rural	5103506	48.1
Urban	710925	72.6

सीमांत श्रमिक

Marginal Workers	Absolute	Percentage of Total Workers
Total		
Persons	8828287	29.5
Rural	8211890	33.7
Urban	616397	11.2
Male		
Persons	3053539	16.7
Rural	2705632	19.6
Urban	347907	7.7
Female		
Persons	5774748	49.8
Rural	5506258	51.9
Urban	268490	27.4

Source – https://rajasthan.gov.in/pages/sm/department-page/149121/930

© 2025 भगवान सिंह, डॉ. आलोक श्रीवास्तव. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

राज्य में कुल श्रमिकों में मुख्य श्रमिकों का अनुपात 70.5% है। ग्रामीण क्षेत्रोंमें यह अनुपात 66.3% तथा नगरीय क्षेत्रों में 88.8% पाया गया है। नगरीय क्षेत्रों में मुख्य श्रमिकों का अधिक अनुपात नगरों में उपलब्ध बेहतर रोजगार अवसरों की ओर संकेत करता है। राज्य में कुल श्रमिकों में सीमांत श्रमिकों का अनुपात 29.5% है। ग्रामीण क्षेत्रों में सीमांत श्रमिकों का अनुपात 33.7% तथा नगरीय क्षेत्रों में 11.2% है। ग्रामीण क्षेत्रों में सीमांत श्रमिकों की अधिकता का प्रमुख कारण मौसमी रोजगार की प्रवृत्ति है।

श्रमिकों का व्यावसायिक वर्गीकरण

राजस्थान में श्रमिकों को उनके व्यवसाय के आधार पर चार वर्गों में विभाजित किया गया है – कृषक, कृषि मजदूर, घरेलू औद्योगिक श्रमिक तथा अन्य श्रमिक। राज्य में कुल श्रमिकों में कृषकों का अनुपात 45.6% है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह अनुपात 54.8% तथा नगरीय क्षेत्रों में 4.7% है। इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है। कृषि मजदूर कुल श्रमिकों का 16.5% भाग हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इनका अनुपात 19.4% तथा नगरीय क्षेत्रों में 3.7% है। नगरीय क्षेत्रों में कृषि मजदूरों का कम अनुपात गैर–कृषि गतिविधियों की प्रधानता को दर्शाता है। घरेलू औद्योगिक श्रमिक कुल श्रमिकों का 2.4% हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इनका अनुपात 1.8% तथा नगरीय क्षेत्रों में 5.0% है। अन्य श्रमिक कुल श्रमिकों का 35.5% भाग हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इनका अनुपात 24.0% तथा नगरीय क्षेत्रों में 86.5% है। इससे यह स्पष्ट होता है कि नगरीय क्षेत्रों में द्वितीयक एवं तृतीयक गतिविधियाँ अधिक विकसित हैं।

तालिका 8: राजस्थान में श्रमिकों का व्यावसायिक वर्गीकरण

1. कृषक (Cultivators)

Category	Total	Rural	Urban	Total (%)	Rural (%)	Urban (%)
Persons	13,618,870	13,358,033	260,837	45.6	54.8	4.7
Males	7,518,486	7,349,824	168,662	41.1	53.4	3.7
Females	6,100,384	6,008,209	92,175	52.6	56.6	9.4

2. कृषि मजदूर (Agricultural Labourers)

Category	Total	Rural	Urban	Total (%)	Rural (%)	Urban (%)
Persons	4,939,664	4,733,917	205,747	16.5	19.4	3.7
Males	2,132,669	2,013,143	119,526	11.7	14.6	2.6
Females	2,806,995	2,720,774	86,221	24.2	25.6	8.8

3. घरेलू औद्योगिक श्रमिक (Household Industry Workers)

Category	Total	Rural	Urban	Total (%)	Rural (%)	Urban (%)
Persons	720,573	446,948	273,625	2.4	1.8	5.0
Males	433,561	247,688	187,873	2.4	1.8	4.2
Females	285,012	199,260	85,752	2.5	1.9	8.8

4. अन्य श्रमिक (Other Workers)

Category	Total	Rural	Urban	Total (%)	Rural (%)	Urban (%)
Persons	10,601,148	5,846,335	4,760,813	35.5	24.0	86.5
Males	8,210,360	4,164,814	4,045,546	44.9	30.2	89.5
Females	2,396,788	1,681,521	715,267	20.7	15.8	73.0

Source: https://rajasthan.gov.in/pages/sm/department-page/149121/930

8. प्रवास

राजस्थान में 2011 की जनगणना के अनुसार प्रवास करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या 2,04,87,663 है। इसमें से ग्रामीण क्षेत्रों से प्रवास करने वाली जनसंख्या 1,69,00,164 तथा नगरीय क्षेत्रों से प्रवास करने वाली जनसंख्या 35,87,499 है। कुल प्रवासियों में ग्रामीण क्षेत्रों का योगदान 82.49% तथा नगरीय क्षेत्रों का योगदान 17.51% है। ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक प्रवास का प्रमुख कारण ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों की कमी, आधारभूत सुविधाओं का अभाव तथा सामाजिक–सांस्कृतिक कारक हैं। नगरीय क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों से प्रवास का अनुपात अधिक पाया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुष प्रवास का प्रमुख कारण कार्य एवं रोजगार (37.72%) है, जबकि महिला प्रवास का प्रमुख कारण विवाह (86.33%) है। वहीं नगरीय क्षेत्रों में पुरुष प्रवास का मुख्य कारण भी कार्य एवं रोजगार (32.47%) है, तथा महिला प्रवास का प्रमुख कारण विवाह (65.60%) पाया गया है।

तालिका 9: राजस्थान में ग्रामीण–नगरीय प्रवास

प्रवास के कारण	Rural Male	Rural Female	Rural Total	Urban Male	Urban Female	Urban Total
कार्य/रोजगार	1,080,094	188,667	1,268,761	394,421	51,581	446,002
व्यवसाय	27,694	17,071	44,765	21,847	8,855	30,702
शिक्षा	88,084	50,215	138,299	39,866	25,888	65,754
विवाह	117,032	12,117,196	12,234,228	18,787	1,556,564	1,575,351
जन्म के बाद स्थानांतरण	484,649	320,040	804,689	251,003	174,798	425,801
परिवार के साथ स्थानांतरण	782,925	1,023,281	1,806,206	326,838	445,654	772,492
अन्य	283,267	319,949	603,216	162,021	109,376	271,397
कुल	**2,863,745**	**14,036,419**	**16,900,164**	**1,214,783**	**2,372,716**	**3,587,499**

Source: Trivedi, H. (2018). *Reasons of migration from rural, urban regions of Rajasthan: A gender-based study.* Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (JETIR), 5(3), 875–880.

© 2025 भगवान सिंह, डॉ. आलोक श्रीवास्तव. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

9. जनसांख्यिकी में दशकीय परिवर्तन

राजस्थान की जनसंख्या में 2001 से 2011 के मध्य 1,20,41,249 की वृद्धि दर्ज की गई। इस वृद्धि में ग्रामीण क्षेत्रों की वृद्धि 82,07,539 तथा नगरीय क्षेत्रों की वृद्धि 38,33,710 रही। राज्य की कुल जनसंख्या वृद्धि दर 21.3% रही, जिसमें ग्रामीण जनसंख्या वृद्धि दर 19% तथा नगरीय जनसंख्या वृद्धि दर 29% रही। इससे स्पष्ट होता है कि नगरीय क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में लगभग 10% अधिक रही है, जो तीव्र नगरीकरण को दर्शाती है। पुरुष जनसंख्या की वृद्धि दर 2001–2011 के बीच 20.8% रही, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में 18.8% तथा नगरीय क्षेत्रों में 27.4% वृद्धि दर्ज की गई। वहीं महिला जनसंख्या की वृद्धि दर 21.8% रही, जो ग्रामीण क्षेत्रों में 19.1% तथा नगरीय क्षेत्रों में 30.8% पाई गई। नगरीय क्षेत्रों में पुरुष एवं महिला जनसंख्या वृद्धि दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक रही है, जिसका प्रमुख कारण रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य सुविधाओं के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से नगरों की ओर प्रवास है।

तालिका 10: राजस्थान की जनसांख्यिकी में दशकीय परिवर्तन (2001–2011)

Category	Total	Rural	Urban	Total (%)	Rural (%)	Urban (%)
Persons	12,041,249	8,207,539	3,833,710	21.3	19.0	29.0
Males	6,130,986	4,215,107	1,915,879	20.8	18.8	27.4
Females	5,910,263	3,992,432	1,917,813	21.8	19.1	30.8

Source: https://rajasthan.gov.in/pages/sm/department-page/149121/930

10. निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन के माध्यम से राजस्थान राज्य की जनसंख्या संरचना, सामाजिक संरचना, श्रमिक बल, प्रवास तथा दशकीय जनसंख्या परिवर्तन का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि राजस्थान की जनसंख्या संरचना में ग्रामीण जनसंख्या का प्रभुत्व है, यद्यपि नगरीकरण की प्रक्रिया निरंतर तीव्र होती जा रही है। राज्य में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का प्रमुख संकेन्द्रण ग्रामीण क्षेत्रों में पाया गया है। यह स्थिति इन वर्गों की पारंपरिक जीवन–शैली, कृषि पर निर्भरता तथा सीमित आर्थिक अवसरों को प्रतिबिंबित करती है। विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति की अत्यधिक ग्रामीण उपस्थिति राज्य की सामाजिक–आर्थिक असमानताओं को उजागर करती है। श्रमिक संरचना के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि राजस्थान में मुख्य श्रमिकों का अनुपात अपेक्षाकृत अधिक है, किंतु ग्रामीण क्षेत्रों में सीमांत श्रमिकों की संख्या भी पर्याप्त है। यह स्थिति मौसमी रोजगार, कृषि पर निर्भरता तथा अस्थिर आय के स्वरूप को दर्शाती है। नगरीय क्षेत्रों में मुख्य श्रमिकों का उच्च अनुपात द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रों के विकास की ओर संकेत करता है। व्यावसायिक संरचना के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि आधारित है, जबकि नगरीय क्षेत्रों में अन्य श्रमिकों की प्रधानता पाई जाती है। इससे नगरीय क्षेत्रों में सेवा एवं औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार की पुष्टि होती है। प्रवास के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि राजस्थान में ग्रामीण से नगरीय प्रवास की प्रवृत्ति अधिक है। पुरुषों के लिए रोजगार तथा महिलाओं के लिए विवाह प्रवास का प्रमुख कारण पाया गया है। नगरीय क्षेत्रों में उच्च जनसंख्या वृद्धि दर भी प्रवास की इस प्रवृत्ति को सुदृढ़ करती है। अंततः यह कहा जा सकता है कि राजस्थान की जनसांख्यिकीय संरचना परंपरा एवं परिवर्तन का सम्मिश्रण प्रस्तुत करती है। भविष्य में संतुलित क्षेत्रीय विकास, रोजगार सृजन, सामाजिक समावेशन तथा आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से राज्य के समग्र विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है।

संदर्भ

1. Census of India. (2011). *Primary Census Abstract: Rajasthan*. Government of India.
2. Government of Rajasthan. (2011). *Statistical Abstract of Rajasthan*. Directorate of Economics and Statistics.

© 2025 भगवान सिंह, डॉ. आलोक श्रीवास्तव. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

3. Trivedi, H. (2018). Reasons of migration from rural, urban regions of Rajasthan: A gender-based study. *Journal of Emerging Technologies and Innovative Research*, 5(3), 875–880.
4. Registrar General of India. (2011). *Migration Tables, Rajasthan*. Government of India.

Creative Commons (CC) License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.

CONFERENCE ORGANIZERS

- Desert Research Association (DRA), Headquarters – Jodhpur
- Nehru Study Centre, Jai Narain Vyas University, Jodhpur
- Government Girls College, Jhalamand (Jodhpur)
- Department of Geography, Dr. Bhim Rao Ambedkar Government College, Sri Ganganagar

In Collaboration with Kalinga University, Raipur (Chhattisgarh)

Disclaimer: The views, opinions, statements, and conclusions expressed in the papers, abstracts, presentations, and other scholarly contributions included in this conference are solely those of the respective authors. The organisers and publisher shall not be held responsible for any loss, harm, damage, or consequences — direct or indirect — arising from the use, application, or interpretation of any information, data, or findings published or presented in this conference. All responsibility for the originality, authenticity, ethical compliance, and correctness of the content lies entirely with the respective authors.

© 2025 भगवान सिंह, डॉ. आलोक श्रीवास्तव. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/